अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : अप्रैल-मई 2022

परीक्षा का नाम : मध्यमा प्रथम

विषय : तबला / पखावज

दि. 19/06/2022 समय : 3 घंटे (दोपहर : 2 से 5) कुल अंक : 75

सूचना :
1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है ।
2) शेष प्रश्नों में से कोई भी 04 प्रश्न हल करें ।
3) कुल 05 प्रश्न हल करना है ।
4) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

प्र. 1 अ) सही जोडियाँ मिलाइयें । (10)

1) पं. पलुस्कर लिपि मे मात्रा 1 का चिन्ह	a) X
2) पं. पलुस्कर लिपि में 1/2 मात्रा का चिन्ह	b) ≍
3) पं. पलुस्कर लिपि मे 1/4 मात्रा का चिन्ह	c) ⌣
4) पं. पलुस्कर लिपि मे 1/3 मात्रा का चिन्ह	d) O
5) पं. पलुस्कर लिपि मे खाली का चिन्ह	e) OO
6) पं. पलुस्कर लिपि मे 1/6 मात्रा का चिन्ह	f) ~
7) पं. पलुस्कर लिपि मे 1/8 मात्रा का चिन्ह	g) ≈
8) पं. भातखण्डे लिपि मे सम का चिन्ह	h) I
9) पं. भातखण्डे लिपि मे खाली का चिन्ह	i) -
10) पं. भातखण्डे लिपि मे विभाग (खण्ड) का चिन्ह	j) +

ब) सही या गलत बताइयें, यदि गलत हो तो सही उत्तर लिखिये ।(05)

a) बेदम और दमदार यह कायदा के प्रकार है ?

b) ''त्रिपल्ली'' इस रचना मे बोलसमूह की 03 लयकारी होती है ?

c) तराना गायन प्रकार विलंबित लय मे प्रस्तुत करते है ?

d) स्वतंत्र पखावज वादन का सबसे प्रचलित ताल ''चौताल'' है ?

e) रुपक/तिव्रा ताल की 1 आवर्तन मे (1 बार) चौगुन 02 मात्रा मे पूर्ण होगी ?

प्र. 2 **लिपिबध्द किजिये (कोई 03)** (3x5=15)

a) एकताल/चौताल की 1 आवर्तन मे दुगुन (पं. पलुस्कर लिपि मे)

b) चौताल मे 1 रेला, 2 पलटे, तिहाई

c) धमार ताल मे 1 परन

d) झपताल/सुलताल मे 1 चक्रदार

e) त्रिताल में 1 फरमाईशी चक्रदार

f) ''तिट'' शब्द युक्त तिस्त्र जाती का कायदा, 1 पलटा, तिहाई
(पाठ्यक्रम के किसी भी ताल मे)

प्र. 3 **निम्नलिखित शब्दों की सोदाहरण परिभाषा स्पष्ट करें।** (15)
(कोई 03)

1) फरमाईशी चक्रदार 2) गत 3) परन
4) कायदा 5) पेशकार 6) रेला

प्र. 4 **टिप्पणीयाँ लिखिये। (कोई 03)** (15)

1) तबला/पखावज वादक के गुण-दोष

2) तबला/पखावज को स्वर मे मिलाने के नियम

3) विभिन्न संगीत प्रकारों की संगती के लिए प्रयोग किये जाने वाले विभिन्न स्वरों के तबलों की जानकारी

4) पखावज के बाएँ पर आटा लगाने की विधि तथा कारण

5) स्वतंत्र तबला/पखावज वादन की जानकारी

6) दमदार तथा बेदम तिहाई का सोदाहरण स्पष्टीकरण

प्र. 5 **बाज और घराने के विषय मे जानकारी देकर, निम्नलिखित घराने की विस्तृत जानकारी दिजिये। (कोई 01)** (15)

1) दिल्ली घराना 2) लखनौ घराना
3) पानसे घराना 4) कुदोऊसिंह घराना

प्र. 6 अपने वाद्य का इतिहास बताकर उसका आधुनिक रुप मे परिवर्तन के विषय मे चर्चा करें। (15)

प्र. 7 निम्नलिखित गायनशैली की जानकारी देकर उनमे प्रयुक्त तालों के नाम लिखे। (कोई 03) (15)

1) ख्याल (विलंबित-द्रुत 2) धृपद 3) ठुमरी
4) भजन 5) तराना